Scooters India Limited

2221. SHRI R. V. SWAMINATHAN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether the Scooters India Limited is at the verge of closing down permanently because of its financial imbalances, technical inadequacies and administrative uncertainties;

(b) if so, the reaction of Government;

(c) steps being taken by Government to improve its position; and

(d) its impact on the decision of closing down the factory?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI BRIJ LAL VARMA): ((a) to (d). No, Sir—It is not a fact that the Scooters India Limited is at the verge of closing down permanently. Efforts are being made by the Company to remove production constraints and to increase the output. The progress in this regard is reviewed by the Government from time to time so that necessary assistance is given and action taken to improve production levels of the undertaking.

Inquiry into Murder of a Harijan Girl of Bhiwani

2222. SHRI R. V. SWAMINATHAN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the inquiry into the murder of Kaushalya, a Harijan girl of Bhiwani, was handed over to the C.B.I. by Haryana Government; and

(b) if so, whether the C.B.I. has submitted its report to Government?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI CHARAN SINGH): (a) The Government of Haryana had requested the Central Government that this case should be investigated by the C. B. I., but considering the matter from all angles, it has been decided not to entrust the enquiry to the C. B. I. The Government of Haryana are being advised to have a full and proper investigation of this case conducted by constituting a special investigating team, if necessary.

(b) Does not arise.

भारतीय सीमेंट निगम का व्यय

2223. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय सीमेंट निगम की स्थापना किस उद्देश्य से की गई थी तथा इससे सरकार को गत तीन वर्षों में क्या लाभ हुआ;

(ख) इसके चेयरमैन तथा निदेशक के मासिक वेतन पर क्या खर्च होता है ; और

(ग) क्या सरकार का विचार इसमें कमी करने का है ?

उद्योग मंत्री (श्री बृज लाल वर्मा) : (क) भारतीय सीमेंट निगम लि० की स्थापना निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रख कर 1965 में की गई थी :—

सर्वेक्षण करने, सम्भावनाओं का पता लगाने, सीमेंट-ग्रेड के चूने के पत्थर का पता लगाने और अपने निजी सीमेंट संयंत्र स्थापित करने एवं सीमेंट उद्योग में विशेषज्ञता का विकास करने के लिए ।

पिछले तीन वित्तीय वर्षों में अर्जित लाभ निम्न प्रकार है :--

1974-75 (--) 17.29 लाख रुपये (हानि)

1975-76 23.49 लाख रुपये (लाभ)

1976-77 4.5 लाख रुपये (लाभ)

(लेखों की लेखा परीक्षा और उनको अन्तिम रूप दिये जाने के अधीन)

(ख) अध्यक्ष और 4 अन्य निदेशकों के मासिक वेतनों पर वर्ष 1976-77 की अवधि में किया गया औसत व्यय 15.87.00 रुपये है।

(ग) जी, नहीं।

Production of Documentary Film to Propagate 20-Point and 5-Point Programmes

2224. SHRI RAMANAND TIWARY: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government have made any enquiry into the production of documentary films to propagate 20-point and 5-point programmes of the former Government; and

(b) if so, the total films produced and the total expenditure involved?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) No enquiry as such has been ordered on these films. However, the Enquiry Committtee on Misuse of Mass Media has gone into certain aspects of the production of some of the films on the subject.

(b) 31 films were produced on subjects pertaining 20-point and 5-point programmes of the former Government and the total expenditure involved on the production, including dubbing and cost of prints, of these films comes to Rs. 69,38,953.91.

भारतीय कोयला प्राधिकरण के मुख्यालय का अन्तरण

2225. **श्री रामानन्द तिवारी** : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जब कोयले का 60 प्रतिशत से अधिक उत्पादन बिहार में होता है तब भारतीय कोयला प्राधिकरण का मुख्यालय कलकत्ता में रखने का क्या कारण है; और

(ख) क्या सरकार का विचार भारतीय कोयला प्राधिकरण के मुख्यालय को निकट भविष्य में धनबाद में लाने का है ?

ऊर्जा मंत्री (श्री पी० रामचन्द्रन) : (क) कोल इंडिया लिमिटेड का मुख्यालय निम्नलिखित कारणों से कलकत्ता में रखा गया है :—

(i) कलकत्ता ऐसा वाणिज्यिक केन्द्र है, जहां खनन कम्पनियां बहुत समय से अपना काम कर रही हैं।

(ii) सभी खानों तक आने जाने की सर्वाधिक सुविधा यहीं से है।

(iii) विभिन्न कोयला खनन कम्पनियों के मुख्यालयों में काम करने वाले अधिकांश कर्मचारी कलकत्ता में ही थे। इसी तरह यद्यपि सब से बड़ा कार्यालय कलकत्ता में है किन्तु प्रमुख परिचालन मुख्यालय—अर्थात् सहायक कम्पनियों के मुख्य कार्याल